an>

Title: Need to abolish excise duty on Gold ornaments and end the strike.

श्री रवनीत सिंह (लुधियाना) : माननीय सभापति जी, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा सदन के सामने रखना चाहता हूँ। मेरे हिसाब से आज जितने मैम्बर ऑफ पार्लियामैंट ज़ीरो आवर में इस मुद्दे पर बोले हैं, शायद पहले कभी न बोले हों। हमारे जो ज्वैलर्स हैं, वे लंबे समय से हड़ताल पर हैं। ऐसे ही 2012 में भी वे 22 दिन के लिए हड़ताल पर गए थे। हमारे उस समय के फाइनैंस मिनिस्टर और आज के राष्ट्रपति मुखर्जी साहब ने वह जो 1 परसेंट की एक्साइज़ ड्यूटी लगाई थी, वह वापस ली थी। उस समय हमारे आज के प्रधान मंत्री ने उस एक्साइज़ ड्यूटी को राष्ट्रविरोधी कहा था और उस पैसे को स्त्रीधन कहा था। मेरी गुज़ारिश है कि डेढ़ करोड़ से ऊपर लोग आज हड़ताल पर हैं। पंजाब में करीब 3 लाख से ऊपर ये लोग हड़ताल पर हैं। मेरी आपके माध्यम से सरकार से गुज़ारिश है कि जो एक्साइज़ महकमे को बहुत बड़ा डर है, इसमें टैक्स की कोई बात नहीं है, जैसे अभी पहले भी मैम्बर ऑफ पार्लियामैंट ने बोला, वह 10 परसेंट पहले इंपोर्ट ड्यूटी देते हैं, और भी कहीं टैक्स देते हैं, लेकिन यह जो एक्साइज़ महकमा है, वह उनको घेर लेगा, उन के ऊपर रेज़ छापेमारी करेगा और पैसा लूटने की कोशिश होगी, दलाल उसके बीच में आ जाएगा। यह बहुत बड़ी हड़ताल है और जब तक ये ज्वैलर्स असोसियेशन हड़ताल वापस नहीं लेंगे,लोगों को मुश्किल होगी क्योंकि आजकल शादियों का मौसम है और बहुत लोग हैं, जिनकी ज्वैलरी दुकानों पर पड़ी है। अभी स्ट्राइक है, इसलिए जल्दी से जल्दी यह स्ट्राइक खत्म की जाये और जो एक परसेंट एक्साइज़ ड्यूटी है, वह वापस ली जाये, जिससे हमारे ज्वैलर्स दोबारा हमारे काम पर आ सके। धन्यवाद।

HON. CHAIRPERSON: Shri Bhairon Prasad Mishra and Kunwar Pushpendra Singh Chandel are allowed to be associated with the issue raised by Shri Ravneet Singh.